

में साई तेरी कमली हो गई

देखा नजारा जो साई के दर का,
पहली दफा मैंने शिरडी नगर का,
जागी किस्मत मेरी जो थी सोइ,
में साई तेरी कमली हो गई,

नाचू गी मैं साई दरबार पे बंधे घुँघरू पाँव में,
आज मुकदर मेरा जगे गा शिरडी के इस गांव में,
में जो शिरडी नगरियां में गई,
में साई तेरी कमली हो गई,

मस्त मलंगा बन के मन ये साई साई कहता है,
मेरे मन का साई प्रीत का इक दरया सा बहता है,
ऐसी प्रीत में मैं साई खोई,
में साई तेरी कमली हो गई,

लोक लाज साई ही भुलाके साई की मैं हो बैठी,
साई की मूरत के आगे ध्यान लगा कर जो बैठी,
बस सांवरियां मैं उनकी हो गई,
में साई तेरी कमली हो गई,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11191/title/main-sai-teri-kamli-ho-gai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |